अध्याय-3

निर्धनता : एक चुनौती

याद रखने योग्य बातें :-

1. निर्धनता में अभिप्राय जीवन के लिए न्यूनतम उपयोगी आवश्यकताओं की प्राप्ति के न होने से है। निर्धनों (गरीबों) की आमदनी इतनी कम होती है कि वे उससे अपनी सामान्य जरूरतों को भी पूरा नहीं कर सकते हैं।
2. भारत में हर पांचवां व्यक्ति निर्धन है (विश्व बैंक के नवीनतम आंकड़े)। दुनिया में सबसे अधिक गरीब भारत में ही हैं।
3. **शहरी निर्धनता** - शहरी क्षेत्रों में निर्धन लोगों में रिक्शा चालक, मोची, फेरी वाले, निम्न मजदूरी पाने वाले श्रमिक इत्यादि आते हैं। इनके पास भौतिक परिसंपत्ति नहीं होती है और ये अक्सर झुग्गी व मलिन बस्तियों में रहते हैं।
4. **ग्रामीण निर्धनता** - ग्रामीण क्षेत्रों में भूमिहीन किसान, खेतिहर मज़दूर, लघु एवं सीमान्त किसान आदि आते हैं।
5. सामाजिक वैज्ञानिक की दृष्टि में निर्धनता :-

   (क) सामान्यतया निर्धनता का सम्बन्ध आय अथवा उपभोग के स्तर से है।

   (ख) उपभोग के स्तर के अलावा निर्धनता को निरक्षरता स्तर, कुपोषण के कारण रोग प्रतिरोधी क्षमता की कमी, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, रोज़गार के अवसरों की कमी, सुरक्षित पेयजल एवं स्वच्छता तक पहुँच की कमी आदि अन्य सामाजिक सूचकों के माध्यम से भी निर्धनता को देखा जाता है।
6. **निर्धनता रेखा :** आय अथवा उपयोग के न्यूनतम स्तर को निर्धनता रेखा कहा जाता है।
7. भारत में निर्धनता रेखा का निर्धारण :- भारत में निर्धनता रेखा का निर्धारण निम्नलिखित दो आधारों पर किया जाता है :

   (क) **कैलोरी आवश्यकता :** ग्रामीण क्षेत्रों में 2400 कैलोरी प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन तथा शहरी क्षेत्रों में 2100 कैलोरी प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन।

   (ख) **आय :** ग्रामीण क्षेत्रों में 816 रुपये प्रतिव्यक्ति प्रतिमाह तथा शहरी क्षेत्रों में 1000 रुपये प्रतिव्यक्ति प्रतिमाह (2011-12 के आंकड़े)। ये आंकड़े सुरेश तेंदुलकर कमिटी द्वारा दी गयी थी। इसके बाद गरीबी के आकलन के लिए सी. रंगराजन के नेतृत्व में एक और कमिटी बनायी गयी थी जिसने अपनी रिपोर्ट जून 2014 में दी। इसके अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में 972 रुपये प्रतिव्यक्ति प्रतिमाह तथा शहरी क्षेत्रों में 1407 रुपये प्रतिव्यक्ति प्रतिमाह निर्धारित किया गया है।
8. **असुरक्षित समूह**-अनुसूचित जातियां एवं अनुसूचित जनजातियाँ, ग्रामीण श्रमिकों के

परिवार, नगरीय अनियत मजदूर परिवार आदि निर्धनता के प्रति सर्वाधिक असुरक्षित हैं।

9. **अंतरराज्यीय असमानताएं**-प्रत्येक राज्य में निर्धन लोगों का अनुपात एक समान नहीं है। बिहार और ओडिशा सर्वाधिक निर्धन राज्य हैं।

10. **वैश्विक निर्धनता परिदृश्य**-विश्व बैंक की परिभाषा के अनुसार प्रतिदिन 1.9 डॉलर से कम पर जीवन निर्वाह।

11. **निर्धनता के कारण-**

(क) ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान आर्थिक विकास का निम्न स्तर।

(ख) उच्च जनसंख्या वृद्धि।

(ग) भूमि और अन्य संसाधनों का असमान वितरण।

(घ) सामाजिक और सांस्कृतिक कारण।

12. **राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन** (नेशनल सैंपल सर्वे आर्गेनाईजेशन) **:** वह संस्था जो भारत में निर्धनता रेखा का समय-समय पर आकलन करती है। (हर पांच साल में)

13. गरीबी कम हुई है :-

(क) पंजाब और हरियाणा में उच्च कृषि वृद्धि दर से।

(ख) केरल ने मानव संसाधनों पर ज्यादा ध्यान देकर निर्धनता को कम किया है।

(ग) आन्ध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु ने अनाज के सार्वजनिक वितरण के द्वारा निर्धनता को कम किया है।

(घ) पश्चिम बंगाल में भूमि सुधारों के माध्यम से।

14. निर्धनता निरोधी उपाय :- दो रणनीतियां

आर्थिक संवृद्धि को प्रोत्साहन

आर्थिक संवृद्धि और निर्धनता उन्मूलन में गहरा सम्बन्ध है। आर्थिक संवृद्धि अवसरों को व्यापक बना देती है जिससे मानव विकास में निवेश के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध हो पाती है। लेकिन, ऐसा संभव है आर्थिक संवृद्धि से निर्धन लोग प्रत्यक्ष लाभ नहीं उठा पायें इसलिए लक्षित निर्धनता निरोधी कार्यक्रमों की आवश्यकता होती है।

लक्षित निर्धनता निरोधी कार्यक्रम

(क) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम।

(ख) प्रधानमंत्री रोजगार योजना।

(ग) स्वर्ण जयंती ग्राम स्व-रोज़गार योजना।

(घ) प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना।

(ङ) अन्तोदय अन्न योजना।

इसलिए, इन दोनों रणनीतियों को पूरक भी माना जाता है।

15. महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोगार अधिनियम, 2005-

(क) उद्देश्य-ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका सुरक्षित करना।

(ख) साल में कम से कम 100 दिनों के रोज़गार की गारंटी।

(ग) एक तिहाई रोज़गार महिलाओं के लिए सुरक्षित।

(घ) आवेदक को 15 दिन के अंदर अगर रोज़गार नहीं उपलब्ध कराया जाता तो वह बेरोज़गारी भत्ते का हकदार होगा।

(च) न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के अंतर्गत मजदूरी का प्रावधान।

16. प्रधानमंत्री रोजगार योजना :

(क) 1993 में प्रारंभ।

(ख) उद्देश्य-ग्रामीण और छोटे शहरों में शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर का सृजन।

(ग) लघु व्यवसाय तथा उद्योग स्थापित करने में सहायता करना।

1 अंक वाले प्रश्न :–

1. निर्धनता से क्या अभिप्राय है?
2. महात्मा गांधी ने निर्धनता व स्वतंत्रता के बारे में क्या कहा था?
3. भारत में ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी क्षेत्रों में स्वीकृत कैलोरी कितनी है?
4. अंतराष्ट्रीय संगठन निर्धनता रेखा के लिए कौन–सा मानक प्रयोग करते है?
5. भारत में कौन–सा वर्ग निर्धनता के प्रति सर्वाधिनक असुरक्षित है?
6. भारत में कौन–से दो राज्य सर्वाधिक निर्धन है?
7. पंजाब और हरियाणा में निर्धनता में कमी आने के क्या कारण है?
8. मानव निर्धनता से आप क्या समझते है?
9. अमेरिका में किस व्यक्ति को गरीब माना जाता है?
10. निर्धनता रेखा का आकलन सामान्यतः कितने वर्ष बाद होता है?
11. 'पश्चिम बंगाल में गरीबी कम हुई है' इसका वास्तविक कारण क्या है?
12. गरीबी निवारण कार्यक्रमों में सरकार द्वारा उठाए गए किसी एक योजना का नाम लिखो।
13. किस रोज़गार योजना में ग्रामीण परिवार को 100 दिन के सुनिश्चित रोज़गार का प्रावधान है?
14. ग्रामीण और छोटे शहरों में शिक्षित बेरोज़गार युवाओं हेतु स्वरोज़गार किस योजना का लक्ष्य है?

3 अंक वाले प्रश्न :–

1. भारत में निर्धनता रेखा का आंकलन कैसे किया जाता है?
2. भारत में अंतर–राज्य निर्धनता को किन सूचकों के माध्यम से देखते है?
3. सामाजिक वैज्ञानिक निर्धनता को किन सूचकों के माध्यम से देखते है?
4. निर्धनता से संबंद्धित तीन मुद्दो का उल्लेख कीजिए?
5. उन सामाजिक और आर्थिक समूहों के बारे में बताइए जो सर्वाधिक निर्धन हैं?
6. भारत में निर्धनता संबंधी चुनौतियों का उल्लेख किजिए?
7. किसी व्यक्ति को गरीब कब माना जाता है?
8. भारत में निर्धनता रेखा का निर्धारण करते समय जीवन निर्वाह के लिए किन जरूरतों पर विचार किया जाता है?

9. प्रधानमंत्री रोज़गार योजना और स्वर्ण जयंती ग्रामीण स्वरोजगार योजना के विषय में लिखो?

10. भारत में निर्धनता दूर करने के तीन उपाय बताइए?

5 अंक वाले प्रश्न :–

1. निर्धनता से सम्बन्धित मुद्दो की चर्चा कीजिए?
2. सिंचाई और हरित क्रांन्ति के क्षेत्र विस्तार से कृषि क्षेत्र में रोज़गार के कई अवसर सृजित हुए लेकिन इनका असर भारत में कुछ भागों तक ही सीमित क्यों रहा? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए?
3. रोज़गार के कुछ नए अवसरों को सृजत किया गया है लेकिन यह रोज़गार तलाश करने वाले सभी लोगों हेतु क्यों पर्याप्त नहीं हो सके?
4. क्या आपको लगता है कि अगले 10 या 15 वर्षो में निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रमों द्वारा निर्धनता दर को नियंत्रित कर सकेंगे – इस संदर्भ में अपने विचार व्यक्त कीजिए?
5. वैश्विक निर्धनता परिदृश्य पर चर्चा कीजिए?
6. भारत में निर्धनता के कारणों का वर्णन कीजिए?
7. भारत सरकार द्वारा लक्षित निर्धनता निरोधी कार्यक्रमों का वर्णन कीजिए?
8. भारत में गरीबी के मुख्य कारणों का उल्लेख कीजिए?

उत्तर माला

1 अंक वाले प्रश्नो के उत्तर :–

1. निर्धनता से अभिप्राय जीवन के लिए न्यूनतम उपभोगी आवश्यकताओं की प्राप्ति के न होने से है।
2. महात्मा गांधी ने कहा था कि भारत सही अर्थो में तभी स्वतंत्र होगा जब यहाँ का सबसे निर्धन व्यक्ति भी मानवीय व्यवस्था से मुक्त होगा।
3. क) ग्रामीण क्षेत्र – 2400 कैलोरी उपभोग प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन है।

   ख) शहरी क्षेत्र – 2100 कैलोरी उपभोग प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन है।

4. 1.9 डॉलर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के बराबर न्यूनतम उपलब्धता।

5. अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति वर्ग निर्धनता के प्रति सर्वाधिक असुरक्षित है?

6. बिहार और ओडिशा

7. पंजाब और हरियाणा जैसे राज्य उच्च्, कृषि वृद्धि दर से निर्धनता कम करने से सफल रहे है।

8. मानव निर्धनता से अभिप्राय ऐसे लोगों से है जो न्यूनतम जीवन निर्वाह के उचित स्तर पर नहीं हैं तथा जिनको स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, रोज़गार, सुरक्षा, लैगिक समता तथा सम्मान प्राप्त नहीं है।

9. जिसके पास कार नहीं है।

10. हर पाँच वर्ष।

11. भूमि सुधार उपाय।

12. • महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम।
    • प्रधानमंत्री रोज़गार योजना।

13. महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम।

14. प्रधानमंत्री रोज़गार योजना।

उत्तर माला

लघु प्रश्नों के उत्तर / 3 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. i) भारत में निर्धनता रेखा का निर्धारण करते समय जीवन निर्वाह के लिए खा़द्य, शैक्षिक एवं चिकित्सा संबंधी आवश्यकताओं पर विचार किया जाता है।

   ii) निर्धनता रेखा का आकलन करते समय खाद्य आवश्यकता के लिए वर्तमान सूत्र वंचित कैलोरी आवश्यकताओं पर आधारित है।

   iii) 2011–12 में किसी व्यक्ति के लिए निर्धनता रेखा का निर्धारण ग्रामीण क्षेत्रों में रूपये 816 और शहरी क्षेत्रों में रूपये 1000 रूपये प्रतिमाह किया गया था।

2. i) पंजाब और हरियाणा जैसे राज्य कृषि वृद्धि दर से निर्धनता कम करने में सफल रहे।

ii) केरल ने मानव संसाधन विकास पर अधिक ध्यान दिया है।

iii) पश्चिम बंगाल में भूमि सुधार उपायो से निर्धनता कम करने में सहायता मिली है।

3. i) निरक्षरता स्तर

ii) कुपोषण के कारण रोग प्रतिरोधी क्षमता की कमी।

iii) स्वास्थ्य के अवसरों की कमी

iv) रोज़गार के अवसरों की कमी

v) सुरक्षित पेयजल एंव स्वच्छता (कोई तीन)

4. i) भूमिहीनता

ii) परिवार का आकार

iii) बेरोज़गारी

iv) निरक्षरता (कोई तीन)

5. i) सामाजिक समूहों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के परिवार।

ii) आर्थिक समूहों में सर्वाधिक असुरक्षित समूह ग्रामीण कृषि श्रमिक परिवार और नगरीय अनियत मज़दूर परिवार है।

iii) परिवार में भी महिलाओं, वृद्ध लोगों और बच्चियों को परिवार के उपलब्ध साधनों से वंचित किया जाता है।

6. i) न्यूनतम आवश्यक आय की उपलब्धता।

ii) सभी को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना।

iii) शिक्षा, रोज़गार व सुरक्षा उपलब्ध कराना।

7. किसी व्यक्ति को गरीब माना जाता है।

i) जब उसकी आमदनी भी उसकी पूरी आवश्यकताओं की पूर्ति न कर पाए।

ii) उपभोग का स्तर गिर जाए।

iii) जब भुखमरी के साथ उसके पास आश्रय भी न हो।

8. i) खाद्य जरूरतों, कपड़ों, जूतों इत्यादि।

ii) ईधन और प्रकाश

iii) शैक्षिक एवं चिकित्सा संबंधी जरूरते।

9. **प्रधानमंत्री रोजगार योजना :–**

i) यह योजना 1993 में शुरू हुई थी।

ii) प्रयोजन – ग्रामीण और छोटे शहरो में शिक्षित बेरोजगार युवाओं हेतु स्वरोजगार के अवसर सृजित करना।

iii) लघु व्यवसाय और उद्योग स्थापित करने में सहायता करना।

ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम

i) यह योजना 1995 में आरम्भ हुई थी।

ii) प्रयोजन – ग्रामीण क्षेत्रों कस्बो और छोटे नगरों में स्वरोजगार के अवसर सृजित करना।

iii) दसवीं पंचवर्षीय योजना में इस कार्यक्रम के तहत 25 लाख नए रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य रखा गया था।

10. i) औद्योगिकरण पर अधिक ज़ोर

ii) शिक्षा के द्वारा – कौशल ज्ञान बढ़ाकर

iii) कृषि क्षेत्र में प्रगति द्वारा

iv) जनसंख्या को भी सीमित करना अति आवश्यक

5 अंकों वाले प्रश्नों के उत्तर :–

1. i) भूमिहीनता ii) परिवार का आकार

iii) खराब स्वास्थ्य iv) बालश्रम

v) बेरोज़गारी vi) निरक्षरता (कोई पाँच)

2. i) भूमि संसाधनों की कमी

ii) छोटे किसानों को बीज, खाद, कीटनाशकों जैसे कृषि आगतो की खरीदारी के लिए पूँजी की कमी।

iii) साहुकार और महाजनों का बढ़ता कर्ज़ भूमिहीन किसानों के लिए अभिशाप था।

iv) संसाधनों का असमान वितरण।

v) ग्रामीण क्षेत्रों में परिसंपत्तियों को पुनर्वितरण पर संक्षिप्त भूमि सुधार जैसी मुख्य नीति पहल को अधिकतर राज्य सरकारो ने प्रभावी ढंग से कार्यान्वित नहीं किया।

3. i) शहरों में उपयुक्त नौकरी पाने में सफल अनेक लोग रिक्शा चालक, विक्रेता, गृह निर्माण, श्रमिक, घरेलू नौकर आदि के तौर पर कार्य करने लगे।

ii) अनियमित और कम आय के कारण ये लोग शहरों के बाहर झुग्गियों में रहने लगे।

iii) शहरों में कई नीतियों के बावजूद लाभ गरीबों तक नहीं पहुँच सके।

iv) रोज़गार के अवसरो की तलाश में पलायन कर रहे थें

v) आर्थिक विकास से सृजित अवसरों से गरीब लोग प्रत्यक्ष लाभ नहीं उठा सके।

4. गरीबी उन्मूलन हमेशा चलने वाली एक गतिशील प्रक्रिया है अतः विकास के साथ–साथ निर्धनता की परिभाषा अवश्य बदलेगी।

i) आय के संदर्भ में न्यूनतम आवश्यक आय उपलब्ध हो जाएंगी।

ii) सभी को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ प्राप्त होगी।

iii) शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति होगी।

iv) रोजगार सुरक्षा सुलभ होगी।

v) लैगिंग समता तथा गरीबों को मान सम्मान भी प्राप्त होगा।

5. i) विकासशील देशों में अत्यंत निर्धनता में रहने वाले लोगों का अनुपात 1990 के 28 प्रतिशत से गिरकर 2001 में 21 प्रतिशत हो गया है।

ii) चीन और दक्षिण पूर्वी एशिया के देशों में तीव्र आर्थिक प्रगति और मानव संसाधन विकास में बहुत निवेश के कारण निर्धनता में विशेष कमी आई है।

iii) दक्षिण एशिया के देशों में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश, भूटान में निर्धनों की संख्या में गिरावट इतनी तीव्र नहीं है।

iv) सब–सहारा अफ्रीका में निर्धनता 1981 के 41 प्रतिशत से बढ़कर 2001 में 46 प्रतिशत हो गई है।

v) लैटिन अमेरिका में निर्धनता का अनुपात वही रहा है।

vi) रूस जैसे पूर्व समाजवादी देशो में भी निर्धनता पुनः व्याप्त हो गई है।

6. i) निर्धनता के कारणों में एक ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान आर्थिक विकास का निम्न स्तर रहा।

ii) ग्रामो में रोज़गार न पाने के कारण, ग्रामीण क्षेत्रों के लोग शहरों में गए। परंतु वहाँ नौकरी न पाने पर यह लोग अनियमित मज़दूर बन गए इनका जीवन निर्धनता से भरपूर था।

iii) निर्धनता का एक कारण आय में असमानता है जिसके लिए भूमि और अन्य संसाधनों का असमान वितरण उत्तरदायी है।

iv) सामाजिक– सांस्कृतिक कारण।

v) भूमि और अन्य संसाधनों का असीमित वितरण।

7. i) प्रधानमंत्री रोज़गार योजना 1993 – इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में शिक्षित बेरोज़गार युवाओं के लिए स्वरोज़गार के अवसर सृजित करना है।

ii) ग्रामीण रोज़गार सृजन कार्यक्रम 1995 – इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों व छोटे शहरों में स्वरोज़गार के अवसर सृजित करना है।

iii) स्वर्ण जयंती ग्रामोदय योजना 1999 – इस कार्यक्रम का उद्देश्य सहायता प्राप्त निर्धन परिवारों को स्वसहायता समूहों से संगठित कर बैंक ऋण और सरकारी सहायकी के संयोजन द्वारा निर्धनता रेखा से उपर लाना है।

iv) प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना 2000 – इसके अंतर्गत प्रायमिक स्वास्थ्य, प्राथमिक शिक्षा, ग्रामीण आश्रय, ग्रामीण पेयजल और ग्रामीण विद्युतीकरण जैसी मूल सुविधाओं के लिए राज्यों को अतिरिक्त केंद्रीय सहायता प्रदान की जाती है।

v) महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी अधिनियम 2005 में प्रारंभ की गई इस योजना में ग्रामीण क्षेत्रों में एक वर्ष में कम से कम 100 दिनों के रोजगार की गांरटी दी गई है। एक तिहाई रोजगार महिलाओं के लिए सुरक्षित हैं।